26-11-2018

प्रेस विज्ञप्ति

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में देशभर से आने वाले मरीजों का इलाज अब आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ ही अन्य प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों से भी संभव हो सकेगा, इसके लिए के0जी0एम0यू0 में आयुष विभाग की स्थापना की जाएगी। इस बात की घोषणा आज दिनांक 26 नवंबर 2018 को अटल बिहारी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में के0जी0एम0यू0, आयुष विभाग एवं आरोग्य भारतीय (अवध प्रान्त) के संयुक्त तत्वावधान में आयुष सेवा की स्थापना एवं के0जी0एम0यू0 एवं आरोग्य भारती (अवध प्रान्त) द्वारा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में संचालित निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं स्वर्णप्राशन समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए केन्द्रीय आयुष मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री श्रीपद येसो नाईक ने की।

इस अवसर पर के0जी0एम0यू0 एवं आरोग्य भारती (अवध प्रान्त) द्वारा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में संचालित निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं स्वर्णप्राशन कार्यक्रम को लेकर एक डॉक्युमेंट्री फिल्म का चित्रण भी किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन ट्रॉमा सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सोशल आउटरीच सेल के सचिव डॉ0 संदीप तिवारी ने किया। इस अवसर पर विराज नाम के बच्चे को केन्द्रीय आयुष मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री श्रीपद येसो नाईक जी द्वारा स्वर्णप्राशन दवा पिलाई गई।

इस अवसर पर केन्द्रीय आयुष मंत्री श्री श्रीपद येसो नाईक ने के0जी0एम0यू0 में आयुष विभाग की स्थापना की घोषणा करते हुए चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा सेवा भाव से किए गए कार्यो की प्रशंसा करते हुए गोरखपुर जिले में के0जी0एम0यू0 एवं आरोग्य भारती द्वारा चलाए जा रहे है निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं मस्तिष्क ज्वर से प्रभावित बच्चों के लिए स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज भी देशभर में आधुनिक चिकित्सा पद्धति के अत्याधिक प्रचलन के बावजूद भी के0जी0एम0यू0 जैसी संस्थाओं द्वारा इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र में काम किया जाना एवं इसे प्रचलित रखना और इससे आए साकारात्मक परिणाम एवं अनुसंधान प्रशंसा योग्य हैं।

इस अवसर पर किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर एवं आरोग्य भारती (अवध प्रान्त) के अध्यक्ष प्रोफेसर एम0एल0बी0भटट् ने बताया कि के0जी0एम0यू0 के लिए यह ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने बताया कि के0जी0एम0यू0 देश का सबसे बड़ा चिकित्सा संस्थान है। उन्होंने बताया कि यहां पढ़ने वाले छात्रों की संख्या की बात हो या मरीजों के लिए उपलब्ध बेड की संख्या, चिकित्सा विश्वविद्यालय का नाम देश के शीर्ष चिकित्सा संस्थानों में लिया जाता है। उन्होंने बताया कि चिकित्सा शिक्षा के मामले में भी के0जी0एम0यू0 शीर्ष पर है।

मा0 कुलपति जी ने कहा कि किसी भी बीमारी के इलाज से ज्यादा जरूरी यह है कि कोई भी व्यक्ति बीमार ही न हो, इसके लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर इन बीमारियों से बचा भी जा सकता है और इनका इलाज भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि लगभग 70 फीसदी बीमारियों का कारण हमारी खराब दिनचर्या है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की संरचना ही स्वस्थ से स्वास्थ्य रक्षम् के मूलमंत्र के साथ किया गया है। उन्होंने ऐलोपैथी, आयुर्वेदिक, यूनानी सहित अन्य प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के द्वारा एक ही छत के नीचे इलाज किए जाने को आज के समय की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा किए बिना स्वस्थ राष्ट्र की कल्पना करना गलत है। उन्होंने कहा कि सब मिलकर एक साथ स्वस्थ भारत के लिए कार्य करें।

इस अवसर पर माननीय आयुष मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री धर्म सिंह सैनी ने कहा कि आरोग्य भारती (अवध प्रान्त) के सचिव डॉ0 अभय नारायण तिवारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि जितनी रूचि से प्राचीन चिकित्सा पद्धति के द्वारा वह इलाज एवं नए–नए प्रयोग करते है अगर उतनी रूचि अन्य आयुष चिकित्सक लेना शुरू कर दें तो इस क्षेत्र में क्रांति लाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पी0एम0 पद संभालते ही आयुष विभाग की अलग से स्थापना की और इसे आगे बढ़ाने का कार्य किया। इसके साथ ही के0जी0एम0यू0 में आयुष विभाग के लिए उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से हर प्रकार के सहयोग की बात की।

इस अवसर पर मा0 चिकित्सा शिक्षा एवं प्रविधिक शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार श्री आशुतोष टंडन ने जापानी इंसेफेलाइटिस से पीड़ित गोरखपुर के बच्चों के

लिए के0जी0एम0यू0 एवं आरोग्य भारती द्वारा लगाए लगे निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं स्वर्णप्राशन कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए आयुवेर्दिक चिकित्सा पद्धति को आधुनिक चिकित्सा पद्धति का छोटा भाई कहे जाने पर कहा कि अगर ऐसी ही इस पद्धति को आगे बढ़ाने का कार्य जारी रहा तो अंतिम परिणाम आने अभी बाकी है और निसंदेह लोग इसे बड़े भाई का दर्जा देंगे क्योंकि उम्र तो आयुवेर्दिक चिकित्सा पद्धति की ही बड़ी है।

इस अवसर पर मा0 सहकारिता मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री मुकुट बिहारी वर्मा ने भी के0जी0एम0यू0 में आयुष विभाग की स्थापना किए जाने पर प्रसन्न्ता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार, चिकित्सा विश्वविद्यालय में आयुष विभाग के लिए संसाधनो की कमी नहीं होने देगी और इसके लिए हरसंभव मदद करेगी, जिससे देश व प्रदेश को रोगमुक्त किया जा सके। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ0 बी0एन0सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इसके साथ ही कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 एस0एन0शंखवार, गोरखपुर भड़सार के प्रधान प्रतिनिधि श्री चन्द्र किशोर उपाध्याय, डीन पैरामेडिकल संकाय प्रो0 विनोद जैन, निदेशक होम्योपैथिक, उत्तर प्रदेश सरकार डॉ0 वी0के0विमल, निदेशक यूनानी, उत्तर प्रदेश सरकार डॉ0 एम0एच0एस0सिद्दीकी, प्रधानाचार्य राजकीय आर्युवेदिक कॉलेज, लखनऊ डॉ0 सुदीप, नेशनल होम्योपैथिक कॉलेज, लखनऊ की प्रधानाचार्य डॉ0 हेमलता,यूनानी चिकित्सालय, लखनऊ के प्रधानाचार्य डॉ0 अब्दुल वाजिद, सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्युवेदिक मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर, लखनऊ की प्रधानाचार्य डॉ0 अमिता चतुर्वेदी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।